भारत-रूस रणनीतिक आर्थिक वार्ता

drishtiias.com/hindi/printpdf/india-russia-strategic-economic-dialogue

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत और रूस के बीच **रणनीतिक आर्थिक वार्ता** (India-Russia Strategic Economic Dialogue) का आयोजन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- भारत और रूस के बीच आयोजित होने वाली यह अपनी तरह की पहली वार्ता है।
- भारत-रूस रणनीतिक आर्थिक वार्ता का आयोजन रूस के **सेंट पीटर्सबर्ग** (St Petersburg) में किया गया।
- इस वार्ता में भारत का प्रतिनिधित्व नीति आयोग के उपाध्यक्ष **राजीव कुमार** ने और रूस का प्रतिनिधित्व वहाँ के आर्थिक विकास मंत्री **मैक्सिम ऑरेश्किन (Maxim Oreshkin)** ने किया।
- दोनों देशों के बीच आयोजित यह वार्ता **5 प्रमुख क्षेत्रों** पर केंद्रित थी –

1. परिवहन बुनियादी ढाँचा (Transport Infrastructure),
2. कृषि एवं कृषि प्रसंस्करण क्षेत्र (Agriculture and Agro-processing sector),
3. छोटे और मध्यम व्यापार के लिये समर्थन (Small & Medium Business upport),
4. डिजिटल परिवर्तन और सीमा प्रौद्योगिकी (Digital Transformation & Frontier Technologies)
5. औद्योगिक एवं व्यापारिक सहयोग (Industrial & Trade Cooperation)

वार्ता के परिणाम

- भारत और रूस ने **कृत्रिम बुद्धिमत्ता** (Artificial Intelligence- AI) और **ब्लॉकचेन प्रणाली** (Blockchain System) के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।
- स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी दोनों देश साथ मिलकर काम करने की संभावनाएँ तलाशेंगे।
- दोनों देशों के बीच पर्यटन, डिजिटल फ्रंट, वित्तीय तकनीक और क्वांटम कंप्यूटिंग के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी।
- भारत और रूस के बीच अगली आर्थिक रणनीतिक वार्ता का आयोजन जुलाई/अगस्त 2019 में भारत में किया जाएगा।

भारत-रूस संबंध (India-Russia Relations)

- भारत तथा रूस के राजनयिक संबंध 70 वर्षों से भी अधिक पुराने हैं।

- 1950 के दशक से ही USSR (Union of Soviet Socialist Republics) के साथ भारत का मैत्रीपूर्ण संबंध रहा है तथा 1971 के भारत-सोवियत मैत्री संधि द्वारा संबंधों को और अधिक मज़बूत किया गया।
- दोनों देश विशेष संबंधों के साथ तब जुड़े जब अक्तूबर 2000 में **भारत-रूस सामरिक साझेदारी** की घोषणा पर हस्ताक्षर किये गए।
- दिसंबर 2010 में सामरिक साझेदारी को विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त सामरिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ा दिया गया।
- सोवियत काल के बाद भारत-रूस संबंधों ने राजनीति, सुरक्षा, व्यापार और अर्थव्यवस्था, रक्षा, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी एवं संस्कृति सहित द्विपक्षीय संबंधों के लगभग सभी क्षेत्रों में सहयोग के उन्नत स्तर के साथ गुणात्मक रूप से नया चरित्र हासिल किया है।

(टीम दृष्टि इनपुट)

स्रोत : टाइम्स ऑफ़ इंडिया